ISBN: 978-93-89136-25-8
IMPRINT: BAHUVACHAN

NATURE | WILDLIFE
₹595 HB

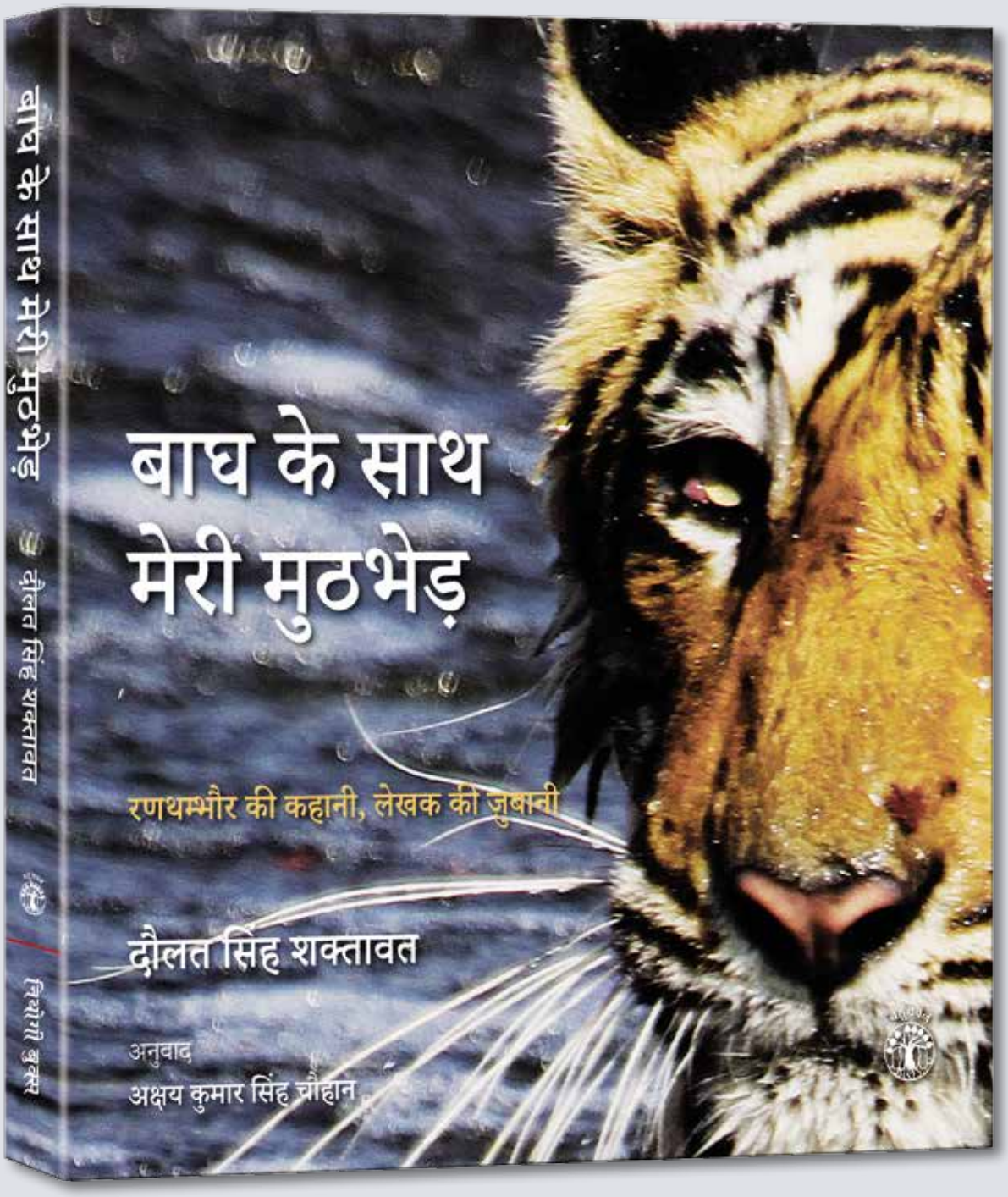

Published by
NIYOGI BOOKS
Fine publishing within reach

NIYOGI BOOKS PRIVATE LIMITED
Block D, Building No. 77, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110020, INDIA
Phone: 011 26816301, 26818960, Email: niyogibooks@gmail.com, Website: www.niyogibooksindia.com

KOLKATA OFFICE & BOOKSTORE
12/1A, 1st Floor, Bankim Chatterjee Street, Kolkata - 700073, West Bengal, INDIA
Ph: 033 22410001 • e-mail: niyogibooks.kol@gmail.com

बाघ के साथ मेरी मुठभेड़

रणथम्भौर की कहानी, लेखक की ज़ुबानी

दौलत सिंह शक्तावत

अनुवाद

अक्षय कुमार सिंह चौहान

NATURE | WILDLIFE
₹595
ISBN: 978-93-89136-25-8
Size 190mm x 178mm; 128pp
130 gsm art paper (matt)
All colour; 123 photographs
Hardback with dust jacket

यह किताब (बाघ के साथ मेरी मुठभेड़: रणथम्भौर की कहानी, लेखक की ज़ुबानी) रणथम्भौर बाघ परियोजना, साल 2010 में, एक आक्रामक बाघ के साथ मुठभेड़ का वर्णन करती है। जब बाघ को बेहोश करते समय, बाघ ने लेखक पर जानलेवा हमला कर दिया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एक आक्रामक बाघ के साथ मुठभेड़, बिलकुल मृत्यु के द्वार से लौटने जैसा अनुभव है। इसके अतिरिक्त, किताब में अनाथ शावकों का पालन-पोषण; रहस्यमय तेंदुआ, जो अपने मनमाफ़िक निडर भाव से इनसानों पर हमला कर देता था; बाघों पर निगरानी रखना एवं आक्रामक नर बाघ उस्ताद (टी-24) के साथ कई अन्य सत्य कहानियाँ भी शामिल हैं।

लेखक ने रणथम्भौर के विस्मृत नायकों को श्रद्धांजलि भी दी है, जिन्होंने वन एवं वन्यजीवों की रक्षा करते हुए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। अनेक दुर्लभ चित्र पुस्तक की रोचकता में चार चाँद लगा देते हैं। यह पुस्तक सभी के लिए अवश्य पठनीय है और उनके लिए भी, जो लोग हमारे राष्ट्रीय पशु 'बाघ' में रुचि रखते हैं।

राष्ट्रीय पशु 'बाघ' को देखने की उत्सुकता जितनी सम्मोहक लगती है, कभी-कभी उतनी ही भयावह भी हो जाती है। आख़िर, ऐसा क्यों, जानने के लिए पढ़ें, यह अद्भुत किताब...

जीवंत एवं दुर्लभ तसवीरों के साथ बाघों के किस्से और भी आकर्षक और रोमांचक हो उठते हैं।

रणथम्भौर बाघ परियोजना की प्राकृतिक छटा का लुभावना चित्रण प्रकृति प्रेमियों के लिए ख़ास सौगात।

दौलत सिंह शक्तावत से.नि. उपवन संरक्षक ने राजस्थान के वन विभाग के वन्यजीव संभाग में 37 वर्षों से अधिक अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। एक समर्पित अफ़सर एवं वन्यजीवों के उत्कट प्रेमी के रूप में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, सरिस्का टाइगर रिज़र्व और रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व में काम करते हुए वन्यजीव आवास संरक्षण एवं प्रजाति परिवर्द्धन के क्षेत्र में उनका अमूल्य योगदान रहा है। इनसानों और वन्यजीवों के बीच संघर्ष से उत्पन्न संकट की स्थितियों को कुशलतापूर्वक सँभालने में उन्हें महारत हासिल है। सन 2010 में एक बाघ को, जो रणथम्भौर टाइगर रिज़र्व की सीमा से बाहर चला गया था, बेसुध करने के प्रयास में उन्हें इतनी गंभीर चोटें आईं कि लगभग उनका जीवन ही समाप्त हो जाता।

दौलत सिंह अनेक प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किए जा चुके हैं। वह एक कुशल वन्यजीव फोटोग्राफर हैं और उनके द्वारा लिए गए अनेक चित्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं तथा जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। वन्यजीवों पर लिखी गई अनेक पुस्तकों में भी उनका सहयोग रहा है।

कानपुर में जन्मे **अक्षय कुमार सिंह चौहान** ने शिक्षा-दीक्षा कानपुर एवं लखनऊ में पूरी की। यह लगभग 30 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े हैं। इतिहास में विशेष रुचि के साथ विभिन्न विषयों पर इनके लेख प्रकाशित होते रहे हैं।